राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित RAS मुख्य परीक्षा

निर्धारित नवीन पाठ्यक्रम एवं कक्षा कार्यक्रम

मुख्य परीक्षा :- यह लिखित परीक्षा होती है जिसमें विषयों की सम्पूर्ण समझ के साथ आपकी उत्तर लेखन शैली प्रस्तुत करने की कुशलता देखी जाती है। वर्तमान में सभी संस्थान केवल पाठ्यक्रम को जैसे-तैसे करके पूरा करवाने में लगे रहते है। उत्तर लेखन अभ्यास पर ध्यान नहीं देते। ना ही इसके लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते है अत: विद्यार्थी स्वयं को कक्षायें पूरी होने के बाद भी ठगा हुआ महसूस करता है। वह अन्तर विषयात्मक उत्तर लेखन (interdisciplinary approach) की स्थिति में फिर भी नहीं रहता है।

इसके कई कारण है :-

1. अधिकतर संस्थानों के तथाकथित निदेशक व विषय विशेषज्ञों को इस परीक्षा के बारे में ना तो पूर्ण जानकारी होती है ना ही उन्होंने इस परीक्षा में कभी भाग लिया है।
2. एक अच्छा उत्तर लिखने के लिए जो विषय-वस्तु चाहिए वह इन संस्थानों की फैकल्टी को भी पता नहीं होता।
3. समयाभाव-प्रमुख उद्देश्य येन-केन प्रकारेण 8-10 घण्टे की लम्बी कक्षायें आयोजित करके पाठ्यक्रम पूरा करना व आर्थिक लाभ कमाना होता है।
4. अधिकतर बाहर की फैकल्टी होती है जिनकी विद्यार्थियों तक पहुँच जयपुर से जाने के बाद शून्य होती है।

Mother's संस्थान ने जब जयपुर व जोधपुर में रिसर्च आयोजित करवाए तो ये प्रमुख समस्याऐं उभरकर सामने आई।

Mother's जो सुविधायें देगा :

- Answer writing पर विशेष बल, सफल अभ्यर्थियों से Answer writing करवाना तथा विद्यार्थियों में Answer writing skill develop करना
- Answer की demand के हिसाब से विषय-वस्तु को प्रस्तुत करना।
- विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान हेतु समय-समय पर Answer writing पर विशेष कक्षायें व नियमित टेस्ट।
- Faculties के साथ संवाद आयोजित करवाना ताकि विद्यार्थी अपनी समस्याएँ बता सके।

हमने यह भी देखा है कि कई संस्थानों में विद्यार्थियों के टेस्ट पेपर आयोजित करवाये गये तथा जो विषय वस्तु विद्यार्थियों ने अपने Answer में लिखे उन्हें पूरे marks दिये गये लेकिन जब **Mother's** की टीम ने इन Answer को चैक किया तो ये बिल्कुल स्तरहीन साबित हुए जिनमें 5% अंक प्राप्त नहीं हो सकते थे।

मुख्य परीक्षा हेतु Mother's की अन्य रणनीति:-

1. उच्च स्तरीय (गुणवत्तामूलक) सामग्री उपलब्ध करवाना तथा कक्षा-कार्यक्रम पर विशेष फोकस।
2. Subject के बारे में समझ विकसित करना ताकि विद्यार्थी Questions की प्रकृति को समझ सकें।

3. परीक्षापयोगी महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम (Syllabus) की विषय-वस्तु पर विशेष कक्षायें आयोजित करवाना।

परीक्षा योजना:-

(क) मुख्य परीक्षा में प्रविष्ट किये जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या , विभिन्न सेवाओं और पदों की उस वर्ष में भरी जाने वाली रिक्तियों (प्रवर्गवार) की कुल अनुमानित संख्या का 15 गुना होगी, किन्तु उक्त रेंज में उन समस्त अभ्यर्थियों को, जिन्होंने अंकों का वही प्रतिशत प्राप्त किया है , जैसा आयोग द्वारा किसी निम्नतर रेंज के लिए नियत किया जाये, मुख्य परीक्षा में प्रवेश दिया जायेगा।

(ख) लिखित परीक्षा में निम्नलिखित चार प्रश्न-पत्र होंगे जो वर्णनात्मक/विश्लेषणात्मक होंगे। अभ्यर्थी को नीचे सूचीबद्ध समस्त प्रश्न-पत्र देने होंगे , जिनमें संक्षिप्त, मध्यम, दीर्घ उत्तर वाले और वर्णनात्मक प्रकार के प्रश्नों वाले प्रश्न पत्र भी होंगे। सामान्य हिन्दी और सामान्य अंग्रेजी का स्तरमान सीनियर सैकेण्डरी स्तर का होगा। प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए अनुज्ञात समय 3 घण्टे होगा।

प्रश्न-पत्र	प्रश्न पत्र विषय	अधिकतम अंक	अवधि
I	सामान्य अध्ययन-I	200	3 घण्टे
II	सामान्य अध्ययन-II	200	3 घण्टे
III	सामान्य अध्ययन-III	200	3 घण्टे
IV	सामान्य हिन्दी एवं सामान्य अंग्रेजी	200	3 घण्टे

प्रश्न पत्र-I सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन		
इकाई-I इतिहास	**खण्ड अ : राजस्थान का इतिहास, कला एवं संस्कृति, साहित्य परम्परा और धरोहर**	**कक्षायें :** 40 घण्टे
	■ प्रागैतिहासिक काल से 18वीं शताब्दी के अवसान तक , राजस्थान के इतिहास के प्रमुख सोपान , महत्वपूर्ण राजवंश, उनकी प्रशासनिक एवं राजस्व व्यवस्था ■ 19वीं-20वीं शताब्दी की प्रमुख घटनाएं: किसान एवं जनजाति आंदोलन , राजनीतिक जागृति, स्वतंत्रता संग्राम और एकीकरण ■ राजस्थान की धरोहर : प्रदर्शन व ललित कलाएं , हस्तशिल्प व वास्तुशिल्प , मेले, पर्व, लोक संगीत व लोक नृत्य ■ राजस्थानी साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियाँ एवं राजस्थान की बोलियाँ ■ राजस्थान के संत, लोक देवता एवं महत्वपूर्ण विभूतियाँ।	
इकाई-I इतिहास	**खण्ड ब : भारत इतिहास एवं संस्कृति**	**कक्षायें :** 60 घण्टे
	■ भारतीय धरोहर : सिन्धु सभ्यता से लेकर ब्रिटिश काल तक के भारत की ललित कलाएँ, प्रदर्शन कलाएँ, वास्तु परम्परा एवं साहित्य ■ प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत के धार्मिक आंदोलन और धर्म दर्शन ■ 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ से 1965 ईस्वी तक आधुनिक भारत का इतिहास : महत्वपूर्ण घटनाक्रम , व्यक्तित्व और मुद्दे ■ भारत का राष्ट्रीय आंदोलन : इसके विभिन्न चरण व धाराएं , प्रमुख योगदानकत्र्ता और देश के भिन्न-भिन्न भागों से योगदान ■ 19वीं-20वीं शताब्दी में सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन	

	■ स्वातंत्र्योत्तर सुदृढीकरण और पुनर्गठन : देशी रियासतों का विलय तथा राज्यों का भाषायी आधार पर पुनर्गठन।	
इकाई-। इतिहास	**खण्ड स : आधुनिक विश्व का इतिहास (1950 ईस्वती तक)**	**कक्षायें :** 15 घण्टे
	■ पुनर्जागरण व धर्म सुधार ■ प्रबोधन व औद्योगिक क्रांति ■ एशिया व अफ्रीका में साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद ■ विश्व युद्धों का प्रभाव।	
इकाई-।। अर्थशास्त्र	**खण्ड अ : भारतीय अर्थशास्त्र**	**कक्षायें :** 40 घण्टे
	■ **अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र :** कृषि, उद्योग और सेवा-वर्तमान स्थिति, मुद्दे एवं पहल ■ **बैंकिंग** : मुद्रा-पूर्ति और उच्चाधिकार प्राप्त मुद्रा की अवधारणा , केन्द्रीय बैंक एवं वाणिज्य बैंकों की भूमिका एवं कार्यप्रणाली, अनर्जक परिसंपत्ति, वित्तीय समावेशन, मौद्रिक नीति-अवधारणा, उद्देश्य और साधन ■ **लोक वित्त**: भारत में कर सुधार- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर , परिदान, नकद हस्तांतरण और अन्य संबंधी मुद्दे, भारत की वर्तमान राजकोषीय नीति ■ **भारतीय अर्थव्यवस्था में हाल के रूझान** -विदेशी पूंजी की भूमिका , बहुराष्ट्रीय कंपनियां , सार्वजनिक वितरण प्रणाली, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, निर्यात-आयात नीति, 12 वां वित्त आयोग, गरीबी उन्मूलन योजनाएं।	
इकाई-।। अर्थशास्त्र	**खण्ड ब : वैश्विक अर्थव्यवस्था**	**कक्षायें :** 20 घण्टे
	■ **वैश्विक आर्थिक मुद्दे और प्रवृत्तियाँ :** विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व व्यापार संगठन की भूमिका ■ विकासशील, उभरते और विकासशील देशों की संकल्पना ■ वैश्विक परिदृश्य में भारत।	
इकाई-।। अर्थशास्त्र	खण्ड स : राजस्थान की अर्थव्यवस्था	**कक्षायें :** 30 घण्टे
	■ राजस्थान के विशेष संदर्भ में कृषि, बागवानी, डेयरी और पशुपालन ■ औद्योगिक क्षेत्र : संवृद्धि और हाल के रूझान ■ राजस्थान के विशेष संदर्भ में संवृद्धि, विकास और आयोजना ■ राजस्थान के सेवा में वर्तमान में हुए विकास एवं मुद्दे ■ राजस्थान की आर्थिक परिवर्तन के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल ■ राज्य का जनांकिकी परिदृश्य और राजस्थान की अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव।	
इकाई-।।। समाजशास्त्र, प्रबंधन एवं व्यावसायिक प्रशासन	**खण्ड अ : समाजशास्त्र**	**कक्षायें :** 30 घण्टे
	■ भारत में समाजशास्त्रीय विचारों का विकास ■ सामाजिक मूल्य ■ जाति वर्ग और व्यवसाय ■ संस्कृतिकरण ■ वर्ण, आश्रम, पुरूषार्थ एवं संस्कार व्यवस्था ■ धर्म निरपेक्षता ■ मुद्दे एवं सामाजिक समस्याएँ ■ राजस्थान के जनजातीय समुदाय-भील, मीणा एवं गरासिया	
इकाई-।।। समाजशास्त्र,	**खण्ड ब : प्रबन्धन**	**कक्षायें :** 30 घण्टे
	■ प्रबंधन- क्षेत्र, अवधारणा, प्रबंधन के कार्य- योजना, आयोजन, स्टाफ, निर्देशन, समन्वय और नियंत्रण, निर्णय	

प्रबंधन एवं व्यावसायिक प्रशासन	लेना: अवधारणा, प्रक्रिया और तकनीक ■ विपणन की आधुनिक अवधारणा, विपणन मिश्रण- उत्पाद, मूल्य, स्थान और संवर्धन। ■ धन के अधिकतमकरण की अवधारणा एवं उद्देश्य वित्त के स्त्रोत- छोटी और लम्बी अवधि , पूंजी संरचना, पूंजी की लागत। ■ नेतृत्व और प्रेरणा की अवधारणा और मुख्य सिद्धांत , संचार प्रक्रिया, भर्ती, चयन, प्रेरण, प्रशिक्षण एवं विकास और मूल्यांकन प्रणाली के मूल सिद्धांत।	
इकाई-III समाजशास्त्र, प्रबंधन एवं व्यावसायिक प्रशासन	**खण्ड स : व्यवसायिक प्रशासन**	**कक्षायें :** 20 घण्टे
	■ वित्तीय विवरण विश्लेषण की तकनीक, कार्यशील पूंजी प्रबंधन के मूल सिद्धांत, जवाबदेही और सामजिक लेखांकन ■ अंकेक्षण का अर्थ एवं उद्देश्य, आंतरिक नियंत्रण, सामाजिक, प्रदर्शन और कार्यकुशलता अंकेक्षण ■ विभिन्न प्रकार के बजट एवं उनके मूल सिद्धांत, बजटीय नियंत्रण।	
प्रश्न पत्र-द्वितीय [सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन-II]		
इकाई-I	तार्किक दक्षता, मानसिक योग्यता और आधारभूत संख्यनन	**कक्षायें :** 20 घण्टे
	■ तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक तर्क क्षमता ■ संख्या श्रेणी, अक्षर श्रेणी, कूटवाचन (कोडिंग डीकोडिंग), ■ संबंधों पर आधारित समस्यायें ■ आकृतियाँ एवं उनके उपविभाजन, वेन आरेख ■ घडियों, आयु एवं कैलेंडर पर आधारित समस्याएं ■ संख्यायें एवं परिमाण की कोटि ■ दो चरों वाली युगपत रेखीय समीकरण ■ अनुपात-समानुपात मिश्र अनुपात ■ वर्गमूल, घनमूल, महत्तम समापवर्तक (म.स.प.) लघुत्तम समापवर्तक (ल.स.प.) ■ प्रतिशत, सरल एवं चक्रवर्ती ब्याज ■ समय और काम, चाल और दूरी ■ सरल ज्यामितीय आकृतियों का क्षेत्रफल एवं परिमाप , गोला, शंकु, बेलन और घनाभ का आयतन एवं पृष्ठीय क्षेत्रफल ■ त्रिकोणमितीय अनुपात एवं कोण ■ आंकडों का विश्लेषण (तालिका, बार, ग्राफ, रेखीय ग्राफ, पाई-चार्ट) ■ केन्द्रीय प्रवृत्ति के मान, माध्य, बहुलक, माध्यिका, मानक विचलन एवं विचरण ■ प्रायिकता	
इकाई-II	**सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी**	**कक्षायें :** 100 घण्टे
	भौतिक विज्ञान	■गति, गति के नियम , कार्य ऊर्जा एवं शक्ति , घूर्णन गति, गुरूत्वाकर्षण, सरल आवर्त गति, तरंगे ■पदार्थ के गुण, स्थिर विद्युतिकी, धारा विद्युत, गतिमान आवेश एवं चुम्बकत्व ■किरण प्रकाशिकी, प्रकाश विद्युत प्रभाव, नाभिकीय भौतिकी, अर्ध चालक युक्तियाँ ■विद्युत चुम्बकीय तरंगे , संचार निकाय, कम्प्यूटर प्रणाली के मूलभूत सिद्धांत , सूचना प्रोद्योगिकी का प्रशासन , ई गवर्नेंस तथा ई कॉमर्स में उपयोग , भारतीय वैज्ञानिकों का विज्ञान के विकास में योगदान

	रसायन विज्ञान	■पदार्थ की अवस्था , परमाणु संरचना रसायनिक बन्ध एवं आणविक संरचना , साम्यावस्था ■उष्मागतिकी, गैसों का गत्यात्मक सिद्धांत , ठोस अवस्था , विलयन, विद्युत रसायन, रसायनिक बल गति
	जीव विज्ञान	■जीवन के विशिष्ट लक्षण ■ जीवों में पोषण ■ वंशागति तथा विविधता के सिद्धांत ■ मानव स्वास्थ्य तथा रोग1 जैव प्रौद्योगिकी एवं उसके उपयोग
	पर्यावरण	■ जैव विविधता एवं सरंक्षण ■ परितंत्र ■ राजस्थान के विशेष संदर्भ में कृषि-विज्ञान , उद्यान-विज्ञान, वानिकी, डेयरी एवं पशुपालन
	पृथ्वी विज्ञान (भूगोल एवं भू-विज्ञान)	**कक्षायें :** 110 घण्टे
इकाई-III	खण्ड अ : विश्व	■ प्रमुख भौतिक भू-आंकृतियाँ : पर्वत, पठार, मैदान, झीलें एवं हिमनद ■ भूकंप एवं ज्वालामुखी: प्रकार, विरण एवं उनका प्रभाव ■ पृथ्वी एवं भूवैज्ञानिक समय सारणी ■ समसामायिक भू-राजनीतिक समस्याएं
	खण्ड ब : भारत	■ प्रमुख भौतिक : पर्वत, पठार, मैदान, झीलें एवं हिमनद ■ भारत के प्रमुख भू-आकृतिक प्रदेश ■ **जलवायु:** मानसून की उत्पत्ति , ऋतुओं के अनुसार जलवायु दशायें , वर्षा का वितरण एवं जलवायु प्रदेश। ■ **प्राकृतिक संसाधन : (क)** जल, वन एवं मृदा संसाधन; **(ख)** शैल एवं खनिज- प्रकार एवं उनका उपयोग ■ **जनसंख्या:** वृद्धि , वितरण, घनत्व, लिंगानुपात, साक्षरता, नगरीय एवं ग्रामीण जनसंख्या
	खण्ड स : राजस्थान	■ **प्रमुख भौतिक भू- आकृतियाँ :** पर्वत, पठार, मैदान, नदियाँ एवं झीलें ■ प्रमुख भू-आकृतिक प्रदेश ■ प्राकृतिक वनस्पति एवं जलवायु ■ पशुपालन, जंगली जीव-जन्तु एवं उनका संरक्षण ■ कृषि- प्रमुख फसलें ■ **खनिज संसाधन-** **(क) घात्विक खनिज:** वितरण एवं उनका औद्योगिक उपयोग; **(ख) अघात्विक खनिज:** प्रकार, वितरण एवं उनका औद्योगिक उपयोग ■ **ऊर्जा संसाधन:** परम्परागत एवं गैर परम्परागत स्त्रोत ■ जनसंख्या एवं जनजातियाँ
प्रश्न पत्र-तृतीय [सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन-III]		
	भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, विश्व राजनीति एवं समसामयिक मामले	**कक्षायें :** 115 घण्टे
इकाई-I	भारतीय राजनीतिक	■ **भारतीय संविधान :** निर्माण, विशेषताएँ, संशोधन, मूल ढाँचा

	व्यवस्था	■ **वैचारिक सत्व :** उद्देशिका, मूल अधिकार, राज्य नीति के निदेशक तत्व , मूल कत्तव्य ■ **संस्थात्मक ढाँचा-I :** संसदीय प्रणाली, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मंत्री परिषद, संसद ■ **संस्थात्मक ढाँचा -II** : संघवाद , केन्द्र-राज्य संबंध , उच्चतम न्यायालय उच्च न्यायालय, न्यायिक पुनरावलोकन, न्यायिक सक्रियता। ■ **संस्थात्मक ढाँचा-III :** भारत निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षाक, संघ लोक सेवा आयोग , नीति आयोग, केन्द्रीय सतर्कता आयोग , केन्दीय सूचना आयोग , राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ■ **राजनीतिक गत्यात्मकताँए :** भारतीय राजनीति में जाति , धर्म, वर्ग, नृजातीयता, भाषा एवं लिंग की भूमिका , राजनीतिक दल एवं मतदान व्यवहार , नागरिक समाज एवें राजनीतिक आंदोलन , राष्ट्रीय अखण्डता एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दे , सामाजिक-राजनीतिक संघर्ष के संभावित क्षेत्र। ■ **राजस्थान की राज्य-राजनीति :** दलीय प्रणाली , राजनीतिक जनांकिकी , राजस्थान में राजनीतिक प्रतिस्पद्र्धा के विभिन्न चरण , पंचायती राज एवं नगरीय स्वशासन संस्थाएँ।
	विश्व राजनीति	■ शीत युद्धोत्तर दौर में उदीयमान विश्व व्यवस्था , संयुक्त राज्य अमरिका का वर्चस्य एवं इसका प्रतिरोध , संयुक्त राष्ट्र एवं क्षेत्रीय संगठन , अंतर्राष्ट्रीय आंतकवाद एवं पर्यावरणीय मुद्दे। ■ भारत की विदेश नीति: उदा्विकास, निर्धारक तत्व, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, रूस एवं यूरोपीय संघ के साथ भारत के सम्बन्ध , संयुक्त राष्ट्र , गुट निरपेक्ष आंदोलन, ब्रिक्स, जी- 20, जी-77 एवं सार्क में भारत की भूमिका। ■ दक्षिण एशिया , दक्षिण -पूर्व एशिया एवं पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक एवं रणनीतिक विकास तथा उनका भारत पर प्रभाव। ■ **समसामयिक मामले :** राजस्थान, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समसमयिक घटनाएं, व्यक्ति एवं स्थान, खेलकूद से जुड़ी हाल की गतिविधियाँ।
इकाई-II	लोक प्रशासन एवं प्रबंधन की अवधारणाएँ, मुद्दे एवं गत्यात्मकता	**कक्षायें :** 90 घण्टे
	■ **प्रशासन एवं प्रबंध-** अर्थ , प्रकृति एवं महत्व , विकसित एवं विकासशील समाजों में लोक प्रशासन की भूमिका, एक विषय के रूप में लोक प्रशासन का विकास, नवीन लोक प्रशासन, लोक प्रशासन के सिद्धांत। ■ **अवधारणाएँ-** शक्ति, सत्ता, वैधता, उत्तरदायित्व एवं प्रत्यायोजन ■ **संगठन के सिद्धांत-** पदासोपान, नियंत्रण का क्षेत्र एवं आदेश की एकता ■ **प्रबंधन के कार्य-** निगमित शासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व ■ लोक प्रबंधन के नवीन आयाम- परिवर्तन का प्रबंधन ■ लोक सेवा के आधारभूत मूल्य एवं अभिवृत्ति- लोक सेवा सत्यनिष्ठा , निष्पक्षता, गैरपक्ष, धरता एवं समर्पण, सामान्यज्ञान एवं विशेषज्ञ संबंध ■ प्रशासन पर विधायी एवं न्यायिक नियंत्रण- विधायी एवं नयिक नियंत्रण की विभिन्न पद्धतियाँ एवं तकनीक	
	■ राजस्थान में प्रशासनिक ढाँचा एवं प्रशासनिक संस्कृति- राज्यपाल , मुख्यमंत्री, मंत्रीपरिषद, राज्य सचिवालय एवं मुख्य सचिव	

	■ **जिला प्रशासन-** संगठन, जिलाधीश एवं पुलिस अधीक्षक की भूमिका, उपखण्ड एवं तहसील प्रशासन ■ **प्रशासनिक विकास-** अर्थ, क्षेत्र एवं विशेषताएँ1 राज्य मानवाधिकार आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग, राज्य वित्त आयोग, लोकायुक्त, राजस्थान लोक सेवा आयोग एवं राजस्थान लोक सेवा अधिनियम, 2011		
इकाई-III	**प्रशासकीय नीतिशास्त्र, व्यवहार एवं विधि**		**कक्षायें :** 90 घण्टे
	खण्ड-अ [प्रशासकीय नीतिशास्त्र]	■ नीतिशास्त्र एवं मानवीय अन्तरसम्बन्ध- मानवीय क्रियाओं में नीतिशास्त्र की अवधारणा , उसके निर्धारक और परिणाम-नैतिक मूल्य (उचित और कत्तव्य , शुभ एवं सद्गुण) प्लेटों का मुख्य सद्गुएण , उपयोगितावाद- जे.एस. मिल, संकल्प की स्वतंत्रता व नैतिक उत्तरदायित्व ■ कान्टीय नीतिशास्त्र , भगवद्गीता का नीतिशास्त्र एवं प्रशासन में इसकी भूमिका ■ नीतिशास्त्र के आयाम- समाज एवं शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा पोषित मूल्यों में प्रशासकों की भूमिका ■ निजी एवं सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र की भूमिका- प्रशासकों का आचरण, मूल्य एवं राजनैतिक अभिवृत्ति।	30 घण्टे
	खण्ड-ब [व्यवहार]	■ **बुद्धि:** संज्ञानात्मक बुद्धि , सामाजिक बुद्धि, संवेगात्मक बुद्धि, सांस्कृतिक बुद्धि और हॉवर्ड गार्डनर का विविध बुद्धि सिद्धान्त ■ **व्यक्तित्व :** मनोविश्लेषण सिद्धान्त , शीलगुण व प्रकार सिद्धान्त व्यक्तित्व निर्धारण के कारण और व्यक्तित्व मापन विधियाँ। ■ **अधिगम और अभिप्रेरणा :** अधिगम की शैलियां , स्मृति के मॉडल और विस्मृति के कारण अभिप्रेरणा के वर्गीकरण व प्रकार, कार्य अभिप्रेरणा के सिद्धान्त और अभिप्रेरणा का मापन ■ **जीवन की चुनौतियों का सामना करना :** [तनाव]: प्रकृति, प्रकार कारण, लक्षण, प्रभाव, तनाव प्रबंधन और सकारात्मक स्वास्थ्य का प्रोत्साहन।	30 घण्टे
	खण्ड-स [विधि]	■ **विधि की अवधारणा-** स्वामित्व एवं कब्जा , व्यक्तित्व, दायित्व, अधिकार एवं कर्तव्य ■ **वर्तमान विधिक मुद्दे-** सूचना का अधिकार , सूचना प्रौद्योगिकी विधि साइबर अपराध सहित। (अवधारणा , उद्देश्य, प्रत्याशायें), बौद्धिक सम्पदा अधिकार (अवधारणा , प्रकार एवं उद्देश्य) ■ स्त्रियों एवं बालकों के विरूद्ध अपराध- घरेलू हिंसा , कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न , लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 बाल श्रमिकों से सम्बन्धित विधि ■ **राजस्थान में महत्वपूर्ण भूमि विधियाँ-**	30 घण्टे

		(क) राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956; **(ख)** राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955	
प्रश्न पत्र-चतुर्थ [सामान्य हिन्दी एवं सामान्य अंग्रेजी]			
सामान्य हिन्दी	ईकाई- सामान्य हिन्दी: कुल अंक 120, इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य अभ्यर्थी की भाषा-विषयक क्षमता तथा उसके विचारों की सही, स्पष्ट एवं प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति की परख करना है।		**कक्षायें :** 90 घण्टे
भाग : अ (अंक 50)	■ **संधि एवं संधि विच्छेद -** दिये हुये शब्दों में संधि करना और संधि विच्छेद करना ■ **उपसर्ग-**उपसर्गों का सामान्य ज्ञान और उनके संयोग से शब्दों की संरचना और शब्दों में विद्यमान उपसर्गों को पृथक करना ■ **प्रत्यय-**प्रत्ययों का सामान्य ज्ञान और उनके सयांग से शब्दों की संरचना और शब्दों में विद्यमान प्रत्ययों को पृथक करना ■ **शब्द-** युग्मों का अर्थ भेद 1 एक वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द ■ **वाक्य एवं शब्द शुद्धि-**विभिन्न व्याकरणिक अशुद्धियों वाले वाक्य एवं शब्द को शुद्ध करना ■ **मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ :** अनुप्रयोग ■ **पारिभाषिक शब्दावली-** प्रशासन से सम्बन्धित अंग्रेजी शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द ■ पर्यायवाची शब्द ■ विलोम शब्द		
भाग : ब (अंक 50)	■ **संक्षिप्तिकरण-** गद्यावतरण का उचित शीर्षक एवं एक-तिहाई शब्दों में संक्षिप्तीकरण (गद्यावतरण की शब्द सीमा 150 शब्द एवं संक्षिप्तीकरण लगभग 50 शब्दों में होना चाहिए) ■ **वृद्धिकरण-**किसी सूक्ति, कार्य की पंक्ति, प्रसिद्ध कथन आदि का भाव विस्तार (शब्द सीमा 150 शब्द) ■ पत्र-लेखन एवं प्रारूप- कार्यलयी पत्र, निविदा, परिपत्र, अधिसूचना और अद्धशासकीय पत्र आदि।		
भाग : स (अंक 20)	निबंध लेखन- किसी समसामयिक एवं अन्य विषय पर दो निबंध लेखन (शब्द सीमा 100 से 150 शब्दों में)		
General English (Total Marks : 80)			Classes : 70 hours
Part : A (20 Marks)	**Grammar & Usage** ■ Correction of Sentences : 10 sentences for correction with errors related to: Articles & Determiners ■ Prepositions ■ Tenses & Sequence of Tenses ■ Modals ■ **Voice-** Active & Passive ■ **Narration-** Direct & Indirect ■ Synonyms & Antonyms ■ Phrasal Verbs & Idioms ■ One Word Substitute ■ Words often Confused or Misused		
Part : B (30 Marks)	**Comprehension, Translation & Precise writing** ■ Comprehension of an Unseen Passage (250 words approximately) 05 Questions based on the passage. Question No. 05 should preferable be on vocabulary. ■ Translation of five sentences from Hindi to English ■ Precis Writing (a short passage of approximately 150–200 words)		
Part : C	**Composition & Letter Writing**		

(30 Marks)	■ Paragraph Writing - Any 01 paragraph out of 03 given topics (approximately 200 words) ■ Elaboration of a given theme (Any 1 out of 3, approximately 150 words) ■ Letter Writing or Report Writing (approximately 150 words)

साक्षात्कार- कार्यक्रम

- Mother's foundation batches में समय-समय पर व्यक्तिगत परीक्षण के सेमिनार आयोजित करवाता है ताकि विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व को संवार सके।
- Motivation हेतु seminar आयोजित करवाना।
- Public speech हेतु तैयार करना।
- प्रशासकों की एक विशेष टीम जिसमें IAS, RAS, RPS अधिकारी शामिल जो आपको Mock interview व साक्षात्कार में presentation (प्रस्तुतीकरण) हेतु तैयार कर सकेंगे।
- अभी तक अधिकतर संस्थान दो-चार Mock interview लेते है तथा उन विद्यार्थियों को सफल होने के बाद अपने संस्थान का बताते है जो अनैतिक पूर्ण कार्य है। Mother's इस तरह की Practice नहीं करेगा। हम स्वयं विद्यार्थियों पर मेहनत करके उन्हें सफल बनाते है। इस तरह के कथकंडे अपनाने में विश्वास नहीं रखते।

RAS CUT OFF MARKS

Category		**2013**		**2016**	
		PRE	**MAINS**	**PRE**	**MAINS**
GEN	GEN	63.40	350	78.54	–––
	FEM	49.42		68.04	–––
	WD	00.47	231	26.03	–––
	DV	45.69	334	58.45	–––
TSP (GEN)	GEN	55.01	331	69.41	–––
	FEM	46.15	328	55.25	–––
SC	GEN	61.07	321	73.69	–––
	FEM	43.36	310	57.99	–––
	WD	00.47	182	19.18	–––
	DV	–––	–––	47.49	–––
ST	GEN	63.40	339	76.26	–––
	FEM	49.42	325	62.56	–––
	WD	00.47	198	20.09	–––
TSP (ST)	GEN	50.32	294	58.45	–––
	FEM	37.30	259	41.10	–––
OBC	GEN	63.40	381	78.54	–––
	FEM	49.42	351	68.04	–––
	WD	00.47	262	26.03	–––
	DV	–––	–––	58.45	–––
SBC	GEN	61.54	364	78.54	–––
	FEM	–––	–––	56.16	–––